Print coverage of Madhya Pradesh

17-03-2021

Star Samachar

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस-2022

उपभोक्ताओं के लिए एफओपीएल ने हितधारक परामर्श का आयोजन किया

भोपाल। भारत में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पारंपरिक भोजन तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एक सरल, आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर 16 मार्च 2022 को कंस्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज , भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए, कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि "हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना

चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर सेमिनार आयोजित

अनोखा तीर, भोपाल। भारत में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पारंपरिक भोजन तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एक सरल, आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर कंस्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए, कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों एनसीडी बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। डॉ. एसके सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसायकल पैकेजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के बावजूद अल्ट्रा-प्रकार को सूचित करने के लिए लोगो में परिवर्तन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेबल स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य होना चाहिए और लेबलिंग भोजन विशिष्ट होना चाहिए। विभिन्न पोषक तत्वों के स्तर के अलावा निर्माण की तारीख

पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ रही है, और यह हमारे बच्चों और युवाओं के जीवन को खतरे में डाल रहा है। डॉ. नीलिमा ने पैकेज फूड के प्रकार, पैकेजिंग सामग्री और विभिन्न प्रकार के लेबल, के भारत में उपयोग किए जा रहे भोजन के और समाप्ति की तारीख होनी चाहिए। यह उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के लिए भोजन के पैकेट के सामने एक सरलीकृत चेतावनी लेबल के साथ स्मार्ट चुनाव करने में सहायता करता है। पैक किए गए खाद्य पदार्थों पर पैक चेतावनी लेबल के सामने उपभोक्ताओं को उत्पादों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमे उच्च नमक, चीनी और वसा है। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे स्मार्ट शॉपर बनें, फूड लेबल की तुलना करें, जानें कि आप क्या खा रहे हैं और स्वस्थ भोजन चुनें। संदीप विक्टर ने कहा कि एक सरल और समझने योग्य एफओपीएल का विचार अच्छा है। इसके लिए गाइडलाइन जारी होते ही इसे मध्य प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा। डॉ. संजीव गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन ने कहा कि स्वास्थ्य के मुद्दों और परामर्श में चर्चा के रूप में एफओपीएल के महत्व को बड़ी आबादी के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है जिसमें मीडिया एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। प्रस्तावित एफओपीएल सरल और स्पष्ट खाना होना चाहिए। भारत एक बहु-भाषाई देश होने के कारण अलग-अलग संस्कृति और खानपान की आदत है, एक भाषा संचार के लिए बाधा उत्पन्न करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत के पारंपरिक भोजन की तुलना में ऊर्जा की खपत की तुलना प्रदान करते हुए एक सरल, आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल को अपनाया जाना चाहिए। डॉ. प्रदीप नंदी, महानिदेशक, एनसीएचएसई ने कहा कि भारत में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापा जैसे गैर-संचारी रोग बढ़ती चिंता का विषय है। कार्यक्रम का संचालन एमपीआईएचटीटीएस की मोनिका शर्मा और ऐमान जुबैर और एनसीएचएसई के अविनाश श्रीवास्तव ने किया।

भारत में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए

योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए

पारंपरिक भोजन की तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एक सरल आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए

सुबह सवेरे, भोपाल। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर, 16 मार्च 2022 को कंस्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल) अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया।

डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसायकल पैकेजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के बावजूद अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ रही है, और यह हमारे बच्चों और युवाओं के जीवन को खतरे में डाल रहा है।

कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। डॉ. नीलिमा वर्मा, निदेशक, एमपीआईएचटीटीएस ने पैकेज फूड के प्रकार, पैकेजिंग सामग्री और विभिन्न प्रकार के लेबल, भारत में उपयोग किए जा रहे भोजन के प्रकार को सूचित करने के लिए प्रतीक चिन्ह में परिवर्तन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेबल पैक के सामने, स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य होना चाहिए और लेबलिंग भोजन विशिष्ट होना चाहिए। पैक किए गए खाद्य पदार्थों पर पैक के सामने उपभोक्ताओं को उन उत्पादों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमे उच्च नमक, चीनी और वसा हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे स्मार्ट शॉपर बनें, फूड लेबल की तुलना करें, जानें कि आप क्या खा रहे हैं और स्वस्थ भोजन चुनें।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर हितधारक परामर्श का आयोजन

भारत में पारंपरिक भोजन की तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एफओपीएल अपनाए

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर कंज्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल) अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया।

क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए की चिंता जरूरी: एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए, कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है।

आहार में उच्च नमक, चीनी बीमारियों का कारण: डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसायकल पैकेजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए।

लोगो में परिवर्तन पर विस्तृत प्रस्तुति दी

डॉ. नीलिमा वर्मा, निदेशक, एमपीआईएचटीटीएस ने पैकेज फूड के प्रकार, पैकेजिंग सामग्री और विभिन्न प्रकार के लेबल, भारत में उपयोग किए जा रहे भोजन के प्रकार को सूचित करने के लिए लोगो में परिवर्तन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेबल स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य होना चाहिए और लेबलिंग भोजन विशिष्ट होना चाहिए। विभिन्न पोषक तत्वों के स्तर के अलावा निर्माण की तारीख और समाप्ति की तारीख होनी चाहिए। यह उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के लिए भोजन के पैकेट के सामने एक साधारण चेतावनी लेबल के साथ सही चुनाव करने में सहायता करता है।

मीडिया निभा सकता है प्रमुख भूमिका

प्रो. (डॉ.) संजीव गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन ने कहा कि स्वास्थ्य के मुद्दों और परामर्श में चर्चा के रूप में एफओपीएल के महत्व को बड़ी आबादी के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है जिसमें मीडिया एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। प्रस्तावित एफओपीएल सरल और स्पष्टता वाला होना चाहिए।

फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए जरूरी

भोपाल। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर 16 मार्च को कंज्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज (MPIHTTS) भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है।

स्वास्थ्य के हानिकारक हैं पैकेज्ड खाद्य पदार्थ

भोपाल। नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. एसके सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसायकल पैकेजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए।